Today's Poem – 17.05-2014

कड़े ते कड़ी बीमारी है किसी के नाम रूप में फँसना

अन्तर्मुखी बन इस बीमारी की जांच करते है रहना

एक बाप से सच्चा-सच्चा लव और बाप को सच-सच सुनाओ

नाम-रूप की बीमारी से मुक्ति पाओ

अपनी वृत्ति को बहुत शुद्ध, पवित्र बनाना है

कोई भी बेकायदे उल्टा काम नहीं करना है

सच्चा प्यार एक बाप में है रखना

बुद्धि को नहीं भटकाना और ना लटकाना

श्रीमत को मानना

यह है सफ़लतामूर्त बनना

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!